आप पड रहे हैं राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

नंदिग्राम टाइम्स

Tital Code : MAHHIN09730/2015

• नांदेड • दैनिक • रविवार, दि. १ मई,२०१६ • वर्ष : १ • अंक : १ • पृष्ठ – ४ • मूल्य : २ रु. • Email Id : nandigramtimes@gmail.com

एमएचसीईटी की तारीख में कोई बदलाव नहीं होगा, तैयार रहें स्टूडेंट्स : तावडे

मुंबई – महाराष्ट्र सरकार की तरफ से ली जाने वाले एमएच–सीईटी परीक्षा आगामी ५ मई को तय समय सारिणी के अनुसार होगी। प्रदेश के चिकित्सा शिक्षा मंत्री विनोद तावडे ने शुक्रवार को कहा कि एमएच–सीईटी की तारीख में कोई बदलाव नहीं होगा। विद्यार्थी बिना भ्रमित हुए पूरी तैयार के साथ परीक्षा दें। तावडे ने कहा कि प्रदेश सरकार की तरफ से सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को पुनर्विचार याचिका दाखिल की जाएगी।

इससे पहले गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट ने मेडिकल परीक्षाओं के लिए नीट को मंजूरी दी थी। नीट परीक्षा दो चरणों में १ मई और २४ जुलाई को होनी है। सुप्रीम कोर्ट के निर्णय से राज्य के विद्यार्थियों में भ्रम की स्थिति पैदा हो गई है। इसलिए विदेश दौरे से लौटने के बाद तावडे ने साफ किया कि राज्य के विद्यार्थियों की परीक्षा ५ मई को ही होगी।

पुनर्विचार याचिका दाखिल होने के आधार

प्रदेश सरकार ने कानून बनाकर सरकारी मेडिकल कॉलेजों और निजी मेडिकल कॉलेजों में एमएच–सीईटी लागू की है। इससे सुदूर ग्रामीण इलाकों के विद्यार्थियों को लाभ मिलता है। एमएच–

सीईटी परीक्षा एसएससी और एचएससी बोर्ड पर आधारित है। इससे पहले सीबीएसई और आईसीएसई बोर्ड के पाठ्यक्रमों के आधार पर सीईटी परीक्षा ली जाती थी। ग्रामीण इलाकों के विद्यार्थियों को इस परीक्षा में मुश्किल होती थी। महाराष्ट्र के अधिक से अधिक विद्यार्थियों को इसका लाभ मिले, इसलिए एमएच–सीईटी परीक्षा एसएससी और एचएससी बोर्ड के आधार की गई है। नीट परीक्षा सीबीएसई के पाठ्यक्रम के आधार पर होगी। लेकिन महाराष्ट्र के ग्रामीण इलाकों

एक मई को ही होगी नीट : सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी।नई दिल्ली, सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को साफ कर दिया कि मेडिकल एडमिशन के लिए नेशनल एलिजिबिलिटी एंट्रेंस टेस्ट (नीट) तय कार्यक्रम के मुताबिक ही होगा। कोर्ट ने गुरुवार को परीक्षा दो चरणों में एक मई और २४ जुलाई को करवाने का आदेश दिया था। शुक्रवार को केंद्र ने इस आदेश में संशोधन की मांग की थी। लेकिन कोर्ट ने इस मांग को नहीं माना। केंद्र ने राज्य सरकार और निजी कॉलेजों के लिए २०१६–१७ सत्र के लिए अलग टेस्ट करवाने की इजाजत मांगी थी। अटॉर्नी जनरल मुकुल रोहतगी ने जस्टिस एआर दवे और जस्टिस ए के गोयल की बेंच से कहा कि गुरुवार के आदेश की वजह से कुछ दिक्कतें आ रही हैं। इसमें बदलाव की जरूरत है।

उन्होंने मांग की कि एक मई को होने वाली पहले चरण की परीक्षा रद्द की जाए। सभी छात्रों को २४ जुलाई को होने वाली परीक्षा में शामिल होने दिया जाए। लेकिन कोर्ट ने साफ कर दिया कि नीट के पहले से तय कार्यक्रम में बदलाव नहीं होगा।

भीषण हादसा: सड़क दुर्घटनाओं में ३ मासूम समेत ८ लोगों की गई जान

कामठी/कन्हान।विभिन्न सड़क दुर्घटनाओं में बुधवार को ३ मासूम समेत ८ लोगों की मौत हो गई। कामठी–जबलपुर महामार्ग पर नेरी शिवार में सुबह करीब १० बजे के दरम्यान ट्रक चालक ने लापरवाही से गाड़ी चलाते हुए तीन मासूमों सहित एक वृद्ध महिला को कुचल दिया। घटनास्थल पर तनाव रहा।

पुलिस सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, नेरी शिवार में बुधवार की सुबह १० बजे देवलाबाई रंसोड साठे (७०), रामू रनू साठे (०३), काजल रनू साठे (०७) और जया रनू साठे (०१) सभी मोरझरी टाकलघाट, हिंगना निवासी जा रहे थे। यह सभी बंजारे परिवार के हैं। ये मवेशी चराने का काम करते हैं। रात भर नेरी शिवार में पड़ाव था। बुधवार की सुबह यह दूसरे स्थान के लिए निकल रहे थे। सभी नेरी शिवार में महामार्ग के किनारे सड़क पार करने के लिए खड़े थे। इस दौरान विपरीत दिशा से आ रहे ट्रक (क्र. एमएच–३१, डब्ल्यू– ३४९२) के चालक ने लापरवाही से ट्रक चलाते हुए सड़क किनारे खड़े तीन मासूमों और वृद्ध महिला को कुचल दिया। चारों ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। इस बीच मृतकों का एक सदस्य वाला वल्द भवन साठे (२२) जो कि खेत में था, ने राष्ट्रीय महामार्ग स्थित पुलिस थाने में आकर घटना की जानकारी दी। जानकारी मिलते ही पुलिस दल ने घटनास्थल पर पहुंचकर सबसे पहले

यातायात को सुचारू किया। चालक को ट्रक सहित गिरफ्तार करके सड़क किनारे ही शवों का पंचनामा किया गया। पुलिस ने आरोपी ट्रक चालक अशोक शेंडे माहुली, तहसील पारशिवनी निवासी के खिलाफ भांदवि की धारा २७९, ३०४(अ) और सहधारा १८४ के तहत मामला दर्ज किया। जांच जारी है।

आर्टिफिशियल रेन की तैयारी, प्रपोजल को जल्द मिलेगी कैबिनेट की मंजूरी

मुंबई – मौसम विभाग ने इस बार राज्य में अच्छी बारिश होने का अनुमान लगाया है। इसके बावजूद प्रदेश सरकार ने सूखा प्रभावित मराठवाड़ा और पश्चिम महाराष्ट्र के इलाकों में कृत्रिम बारिश कराने की तैयारी की है। राज्य के आपदा व प्रबंधन विभाग ने कृत्रिम बारिश कराने को लेकर प्रस्ताव तैयार किया है। अगले सप्ताह में होने वाली राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में इसको मंजूरी मिलने की उम्मीद है।

शुक्रवार को आपदा व प्रबंधन विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इस बार अच्छे मानसून की उम्मीद है। लेकिन यदि मानसून ने धोखा दिया तो कृत्रिम बारिश कराई जाएगी। मंत्रिमंडल से मंजूरी मिलने के बाद इसकी अगली प्रक्रिया शुरू हो जाएगी।

उन्होंने बताया कि जहां पर बादल रहता है, वहां पर कृत्रिम बारिश का प्रयोग सफल होने की उम्मीद रहती है। इस लिहाज से कृत्रिम बारिश का पहला प्रयोग पश्चिम महाराष्ट्र के इलाकों में होने की संभावना है।

अधिकारी के पिछली बार औरंगाबाद विभाग के बीड़, लातूर और उत्तर महाराष्ट्र के नाशिक और पश्चिम महाराष्ट्र के कुछ इलाकों में कृत्रिम बारिश कराई गई थी। इस आधार पर इस बार भी कृत्रिम बारिश कराने की तैयारी है।

सरकार के मुताबिक पिछले साल का प्रयोग काफी हद तक सफल हुआ था। कृत्रिम बारिश के लिए सरकार को करीब २७ करोड़ रुपए खर्च करने पड़े थे। पिछले साल एक कंपनी ने प्रयोग के तौर पर मुफ्त में कृत्रिम बारिश कराई थी। लेकिन इस बार कृत्रिम बारिश का सारा खर्च सरकार को वहन करना पड़ेगा।

बॉम्बे हाईकोर्ट का नाम बदलकर हो मुंबई हाईकोर्ट, पीएम से मिले शिवसेना सांसद

नई दिल्ली/मुंबई.शिवसेना के लोकसभा सांसद अरविंद सावंत और विनायक राउत ने पीएम नरेन्द्र मोदी से मिलकर बॉम्बे हाईकोर्ट का नाम बदलकर मुंबई हाईकोर्ट करने की मांग उठाई है। दोनों सांसदों ने प्रधानमंत्री को ज्ञापन सौंपकर इस पुरानी मांग को जल्द स्वीकार करने का आग्रह किया है।

शिवसेना सांसद सावंत और राउत ने प्रधानमंत्री को बताया कि केन्द्र सरकार के आदेश के बाद वर्ष १९९५ में बांबे शहर का नाम तो मुंबई कर दिया गया, लेकिन बांबे हाईकोर्ट का नाम अभी भी ज्यों–का–त्यों बरकरार है।

बांबे हाईकोर्ट का नाम मुंबई हाईकोर्ट करने का संघर्ष वर्ष २००५ से लगातार जारी है। महाराष्ट्र सरकार ने इससे जुड़ा प्रस्ताव कई बार केन्द्र सरकार को भेजा है, परंतु केन्द्र ने इन प्रस्तावों पर अब तक कोई तबज्जो नहीं दी है। केन्द्र के इस रूख से मुंबईवासियों की भावना आहत हो रही है।

श्री सावंत ने उम्मीद जताई कि प्रधानमंत्री मोदी शिवसेना की इस मांग पर सकारात्मक विचार करते हुए बॉम्बे हाईकोर्ट का नाम बदलकर मुंबई हाईकोर्ट करने संबंधी फैसले पर जल्द मुहर लगाएंगे। बता दें कि बांबे हाईकोर्ट का गठन वर्ष १९६२ में किया गया था। इसके तहत नागपुर, औरंगाबाद और पणजी तीन बेंच आते हैं

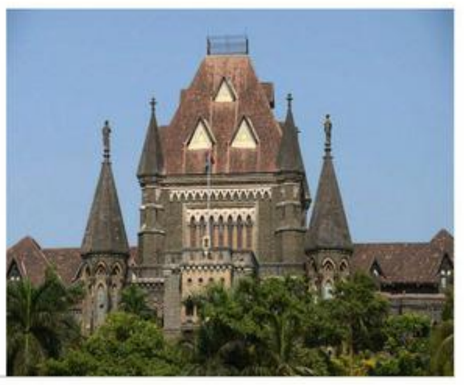

मुंबई में बिल्डिंग गिरने से ६ लोगों की मौत, मलबे में अब भी दबे हैं कई लोग

नई दिल्ली/ मुंबई. शनिवार दोपहर साउथ मुंबई में एक तीन मंजिला बिल्डिंग गिर गई। हादसे में ६ लोगों की मौत हो गई। कई लोग अब भी मलबे में फंसे बताए जा रहे हैं। ५ लोगों को रेस्क्यू किया गया....

हादसा कमाठीपुरा एरिया पर ग्रांट रोड के पास दोपहर २ बजे के आसपास हुआ। फायर ब्रिगेड ऑफिसर्स के मुताबिक दो घायलों को जेजे हॉस्पिटल और नायर हॉस्पिटल में एडमिट कराया गया है। बीएमसी से डिजास्टर कंट्रोलरुम ऑफिसर ने बताया कि घायलों की हालत भी क्रिटिकल बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि जो बिल्डिंग गिरी है, उसके निचले फ्लोर पर बियर बार और एक फैक्ट्री चलती थी। फायर ऑफिसर्स के मुताबिक ८ फायर इंजीनियर्स, ३ एंबुलेंस को रेस्क्यू ऑपरेशन में लगाया गया है।

लोगों ने बीएमसी पर लगाया आरोप– लोकल लोगों का दावा है कि बिल्डिंग के पास ही कंस्ट्रक्शन हो रहा था। बीएमसी ने बिल्डिंग को खाली नहीं कराया। उसकी नींव कमजोर हो गई और हादसा हो गया।

५५५ जोडें का सामूहिक विवाह आज

मुस्लिम समाज का सामूहिक विवाह कार्यक्रम

औरंगाबाद (सिल्लोड)– नेशनल शिक्षा संस्था की और से एक मई को विधायक तथा कांग्रेस के जिलाध्यक्ष अब्दुल सत्तार के जन्मदिन पर मुस्लिम समाज के सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन किया गया है. सामूहिक विवाह समारोह में ५५५ जोडों का निकाह का लक्ष्य रखा गया है गत दोन–तीन माह से समारोह की तैयारिया जोरों पर चल रही है.

सामूहिक विवाह समारोह में विधायक अब्दुल सत्तार के पुत्र कांग्रेस के जिलाध्यक्ष अब्दुल समीर का विवाह होना तय है. अब्दुल समीर का निकाह उक्त समारोह में होता है तो यह कार्यक्रम यादगार होगा. सुखे के दौरान इस भव्य विवाह समारोह की तैयारियों को लकर कार्यकर्ताओ सहित स्थानिय लोगों मे काफी उत्साह देखा गया है.

अब्दुल समीर का निकाह भी सामूहिक समारोह में!

अल्पसंख्याक समाज की आर्थिक परिस्थिती को ध्यान में रखते हुए विधायक अब्दुल सत्तार ने इस बार अपने जन्मदिन की बजाय महाराष्ट्र दिवस के उपलक्ष्य में सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन करने का निर्णय लिया है.

स्थानीक भोकरदन नाका परिसर में कल,रविवार की शाम में करीब छह बजे होने वाले सामूहिक विवाह समारोह में जामिया इस्लामिया इशातूल उलूम अक्कल कुवा के प्रमुख मौलाना गुलाम मोहम्मद वस्तानवी समेत कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष अशोक चव्हाण, विरोधी पक्ष नेता राधाकृष्ण विखे पाटील, धनंजय मुंडे आदि मंत्री और पदाधिकारी बडी संख्या में उपस्थित रहेंगे.

आप पड रहे हैं राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
नंदिग्राम टाइम्स
नांदेड । रविवार । १ मई २०१६

संपादकीय...

मराठी भाषिक एकता का मानबिंदू!

राजतिक दिनदर्शिका में मई महिने की, एक तारीख का महत्व कामगार वर्ग के सम्मान का दिवस बतलाया गया है। यूँ तो पुरी दूनिया में ही एक मई को जागतिक श्रमिक दिवस मनाया जाता है, किंतू हमारे महाराष्ट्र में एक दिन एक अलग कारणोसेभी यादगार माना जाता है। वह कारण है, ईसी दिन महाराष्ट्र को मराठी भाषिक संयुक्त राज्य का दर्जा दिलाया गया था। वह दिन था १ मई १९५०. महाराष्ट्र के धूरंधर नेता तथा संयुक्त महाराष्ट्र के पहिले मुख्यमंत्री बनने का बहुमान प्राप्त हुअे स्व. यशवंतरावजी चव्हाण को महाराष्ट्र के निर्मिती का श्रेय दिया जाता है। प्रथम, प्रधानमंत्री पंडीत जवाहरलाल नेहरु के निकटवर्तीयोमें एक यशवंतरावजी ने पंडितजी को महाराष्ट्र को मराठी भाषिक राज्य की, आवश्यकता को जोर देकर आग्रह किया, और नेहरूजींने भी हाँ भर दी। जिसके परिणाम स्वरुप आज तब्बल ३६ जिलोंका संयुक्त महाराष्ट्र हमारे सामने है। किंतु ईसी अखंड महाराष्ट्र के विदर्भ और मराठवाडा को अलग राज्य का दर्जा देने की मांग इन दिनो बडे जोर, शोर से की जाने लगी है। ईस षडयंत्र के पिच्छे गंदी राजनिती करणे का, काम कुच्छ राजकीय नेता लोग कर है है। किंतू वास्तव में महाराष्ट्र के किसी भी कोनेसे आम जनता को अलगाव की भावना छू नही सकती। पूरोगामी विचारधारासे चलते यहॉ के लोग भलेही विभिन्न जाती और संप्रदाय से जुडे है। ईसी लिए जब भी महाराष्ट्र को अलग हिस्सो में बाँटने की बात चलती है। तब इसका विरोध भी राज्य की आम जनता एकजूट होकर करने को खडी होती है। ईन दिनो महाराष्ट्र में भीषण अकाल है। सुखे के चलते फसल न होने से किसान परेशान है। ऐसे में राज्य की सरकार, विपक्ष दल और आम जनता को मिलजुलकर परिस्थिती का सामना करना है। ऐसे में विदर्भ अथवा मराठवाडा अलग राज्य बनाने की माँग करना, आम जनता की, भावना औंसे खिलवाड, करने जैसा है। स्थिती कोई भी और जैसी भी हो हमारी एकता अतूट रहे, ईसी लिए सभी को दृढ संकल्प जताना है। इमारी मराठी भाषिक एकता ही हमारी ताकद और मानबिंदू है। क्योंकी, संयुक्त महाराष्ट्रके निर्माण के लिए कई लोगोंने आपने प्राण गवाएँ है, उनके प्राणों की आहुती को नजरअंदाज कर हम ईस भूमी से प्रतारणा करना असंभव है। संयुक्त महाराष्ट्र एक है, एकही रहे गा और उसकी निर्मिती का सुवर्ण पलही इमे ईस एकता के लिए हर वर्ष एक मई को प्रेरणा देता रहेगा। वह हमारा विश्वास है ईसिलिए हम तमाम महाराष्ट्रवासी भाई-बहनों को महाराष्ट्र दिन की, बधाई देते है।

लाइब्रेरी साइंस: सूचना और ज्ञान का संग्रह

लाइब्रेरी को सूचना, ज्ञान और मनोरंजन का संग्रह माना जाता है। इसके जरिए ज्यादा से ज्यादा लोगों तक नवीनतम सूचनाओं और ज्ञान सामग्री का नाममात्र खर्च में पहुंचना संभव हो पाता है। उपयोग के आधार पर लाइब्रेरी को कई भागों में बांटा जा सकता है, जैसे पब्लिक लाइब्रेरी, यूनिवर्सिटी/कॉलेज लाइब्रेरी, निजी लाइब्रेरी आदि।

क्या है लाइब्रेरी साइंस

इस विषय के तहत मुख्य रूप से किताबों, संदर्भ ग्रंथों, पत्रिकाओं और अखबारों को व्यवस्थित ढंग से रखने और लंबे अरसे तक सुरक्षित ढंग से सहेजने के बारे में जानकारी दी जाती है। बड़ी संख्या में उपलब्ध ज्ञान और सूचना परक सामग्रियों (किताब, पत्रिका) को एक निश्चित क्रम में वगीकृत करने के लिए लाइब्रेरी साइंस वैज्ञानिक विधियों और तकनीकों का सहारा लेती है। लाइब्रेरी की व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाने और उसे अधिक उपयोगी बनाने का काम लाइब्रेरियन का होता है।

उपलब्ध कोर्स

सर्टिफिकेट कोर्स इन लाइब्रेरी साइंस

सर्टिफिकेट इन आईसीटी एप्लिकेशन इन लाइब्रेरी

सर्टिफिकेट कोर्स इन लाइब्रेरी एंड इन्फॉर्मेशन साइंस

डिप्लोमा कोर्स इन लाइब्रेरी साइंस

डिप्लोमा इन लाइब्रेरी एंड इन्फॉर्मेशन साइंस (डीएलआईएस)

बैचलर ऑफ लाइब्रेरी एंड इन्फॉर्मेशन

मास्टर ऑफ लाइब्रेरी साइंस

पीजी डिप्लोमा इन लाइब्रेरी ऑटोमेशन एंड नेटवर्किंग

स्पेशलाइजेशन के विषय

इन्फॉर्मेशन आर्किटेक्चर इंडेक्सिंग

इन्फॉर्मेशन ब्रोकर

आर्काइविंग एब्सट्रेक्टर्स

मेटाडेटा मैनेजमेंट कैटालॉगिंग

मेटाडेटा आर्किटेक्चर कंप्यूटर

डेटा एंड इन्फॉर्मेशन सिस्टम

प्रिजर्वेशन एडमिनिस्ट्रेशन एंड कंजर्वेशन

योग्यता

डिप्लोमा/सर्टिफिकेट कोर्स: इन कोर्स में प्रवेश के लिए किसी मान्यता प्राप्त स्कूल शिक्षा बोर्ड से १२वीं पास होना जरूरी है। दाखिला आमतौर पर मेरिट सूची के जरिए होता है।

बैचलर कोर्स: किसी विषय में ग्रेजुएशन करने के बाद लाइब्रेरी साइंस के बैचलर कोर्स में प्रवेश लिया जा सकता है। यह कोर्स एक साल का होता है। दाखिले प्रवेश परीक्षा या मेरिट के आधार पर दिए जाते हैं।

पीजी कोर्स: मास्टर्स या पीजी डिप्लोमा कोर्स में प्रवेश के लिए बी.लिब. होना जरूरी है। अलग-अलग संस्थानों में दाखिले का अंक प्रतिशत ५० होता है।

यहां मिलेगी नौकरी

सरकारी और निजी लाइब्रेरी

यूनिवर्सिटी लाइब्रेरी

न्यूज एजेंसी और मीडिया संस्थान

विदेशी दूतावास

फोटो/फिल्म लाइब्रेरी

इन्फॉर्मेशन सेंटर्स/डॉक्यूमेंटेशन सेंटर्स

शोध सुविधाओं से युक्त म्यूजियम और गैलरी

वेतन

योग्यता और अनुभव के आधार पर वेतन मिलता है। निजी व सरकारी क्षेत्र में वेतन का स्वरूप अलग-अलग है। लाइब्रेरी में शुरुआती वेतन प्रतिमाह २०,००० रुपये से लेकर ३०,००० रुपये के बीच हो सकता है।

मेडिकल क्षेत्र में उपयोगी है तकनीक

मैं बीएससी (भौतिक शास्त्र) के तृतीय वर्ष का छात्र हूं। क्या आप मुझे बता सकते हैं कि ग्रेजुएशन करने और इसी क्षेत्र में मास्टर डिग्री करने के बाद जॉब के क्या-क्या अवसर होते हैं? इस क्षेत्र में गणित के साथ आगे बढ़ना कितना अहम होता है? क्या इस क्षेत्र में सिर्फ रिसर्च का ही काम होता है?

रवि कुमार, हल्द्वानी

भौतिक शास्त्र के तहत आपको ब्रह्मांड के हर छोटे से बड़े तथ्य का अध्ययन कराया जाता है, उसकी प्रकृति से लेकर उसकी कार्यप्रणाली तक के बारे में जानकारी दी जाती है। यह सभी जानकारी वैज्ञानिक प्रगति के आधार पर होती है। प्रयोगशालाओं में काम करने के अलावा भौतिक शास्त्री नए-नए उपकरणों के निर्माण में भी सहयोग करते हैं। सेटेलाइट से लेकर मैग्नेटिक फील्ड के अध्ययन में काम आने वाले तमाम उपकरणों में भौतिक शास्त्री की अहम भूमिका होती है। वास्तव में आधुनिक सुविधाओं में से अधिकांश भौतिक शास्त्र के जरिए संभव हो पाई हैं। मेडिकल के क्षेत्र में उपयोगी तकनीकों में कई का सीधे-सीधे वास्ता भौतिक शास्त्र से ही है और वर्ल्ड वाइड वेब यानी डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू के संचालन और संप्रेषण में भी भौतिक शास्त्र की अहम भूमिका है। वैसे अभी तक की पढ़ाई में आप यह तो समझ ही गए होंगे कि गणित भौतिक शास्त्र का अभिन्न अंग है। वास्तव में भौतिकी के तमाम फॉर्मूलों में गणित की अहम भूमिका होती है। कभी-कभी तो गणित से ही नए-नए फॉर्मूलों की रचना होती है। भौतिक शास्त्र ऐसा विज्ञान है, जो काफी व्यावहारिक होता है। वैसे इस कोर्स में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए आपको गणित की समझ होनी ही चाहिए। मूल रूप से भौतिक शास्त्र के तमाम फॉर्मूलों को गणित के आधार पर ही बनाया जाता है और क्रियान्वयन किया जाता है। भौतिक शास्त्री के तौर पर आप करियर के विभिन्न आयामों पर काम कर सकते हैं। आप इस क्षेत्र में उच्च शिक्षा प्राप्त कर प्रयोगशालाओं या विश्वविद्यालयों में रिसर्च का काम कर सकते हैं। पीएचडी करने वाले कई छात्र अच्छी स्कॉलरशिप और जेआरएफ में प्रवेश पा रहे हैं। नैनोटेक्नोलॉजी के क्षेत्र में भी इस क्षेत्र के लोगों के लिए प्रबल संभावनाएं हैं।

भूगोल तैयार करे करियर का नक्शा

भूगोल विषय की पढ़ाई करियर के बेहतरीन मौके उपलब्ध कराती है। इस विषय के अध्ययन और इसमें करियर की संभावनाओं के बारे में बता रही है नमिता सिंह

भूगोल को पृथ्वी का विज्ञान कहा जाता है। इसके अंतर्गत धरती एवं उसके आसपास पाए जाने वाले तत्वों का अध्ययन किया जाता है। सही मायने में देखा जाए तो ज्योग्राफर की भूमिका एक साइंटिस्ट की भांति होती है। पृथ्वी की संरचना तथा उसके अंदर होने वाली हलचलों, नदी-घाटी परियोजना आदि पर कार्य करने की जिम्मेदारी भी ज्योग्राफर की होती है। एक ज्योग्राफर को कई विभागों से तालमेल बिठा कर काम करना होता है। भूगोल की भी कई शाखाएं (फिजिकल ज्योग्राफी, ह्यूमन ज्योग्राफी, एंवॉयर्नमेंटल ज्योग्राफी) होती है। फिजिकल ज्योग्राफी में जहां पृथ्वी, नदी, खाली स्थानों, जलवायु आदि का अध्ययन किया जाता है, वहीं ह्यूमन ज्योग्राफी में मानव सहित राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक व सांस्कृतिक गतिविधियों का अध्ययन किया जाता है। इसी तरह एंवॉयर्नमेंटल ज्योग्राफी में प्रोफेशनल्स पर्यावरण और उसका मानव जीवन पर प्रभाव, मौसम और जलवायु आदि का गहनता से अध्ययन करते हैं।

बारहवीं के बाद रखें कदम

इसमें बैचलर से लेकर पीएचडी लेवल तक के कोर्स मौजूद हैं। छात्र बारहवीं के बाद अपनी किस्मत आजमा सकते हैं। बीए/बीएससी में दाखिला बारहवीं के बाद और एमएससी में दाखिला स्नातक के बाद मिलता है। इसके बाद पीएचडी की राह आसान हो जाती है। पीजी डिप्लोमा भी स्नातक के बाद किया जा सकता है। इसमें कई सर्टिफिक्रेट कोर्स भी हैं, जिन्हें स्नातक के बाद किया जा सकता है। इसमें रेगुलर व पत्राचार, दोनों तरह के कोर्स मौजूद हैं।

ऑटोमोबाइल इलेक्ट्रॉनिक्स में करियर

विश्वास नहीं होगा, पर यह सच है कि आई टी, कंप्यूटर सॉफ्टवेयर और इलेक्ट्रॉनिक्स के एकेडेमिक बैकग्राउंड वाले टेक्निकल प्रोफेशनल्स की मांग ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री में हाल के वर्षों में अपेक्षाकृत तेजी से बढ़ी है। इस स्थिति के पीछे कारण है नई गाडियों में बढ़ता इलेक्ट्रॉनिक्स का उपयोग व अधिकाधिक इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से इनका सुसज्जित होना।

ऑटोमोटिव इलेक्ट्रॉनिक्स का महत्व

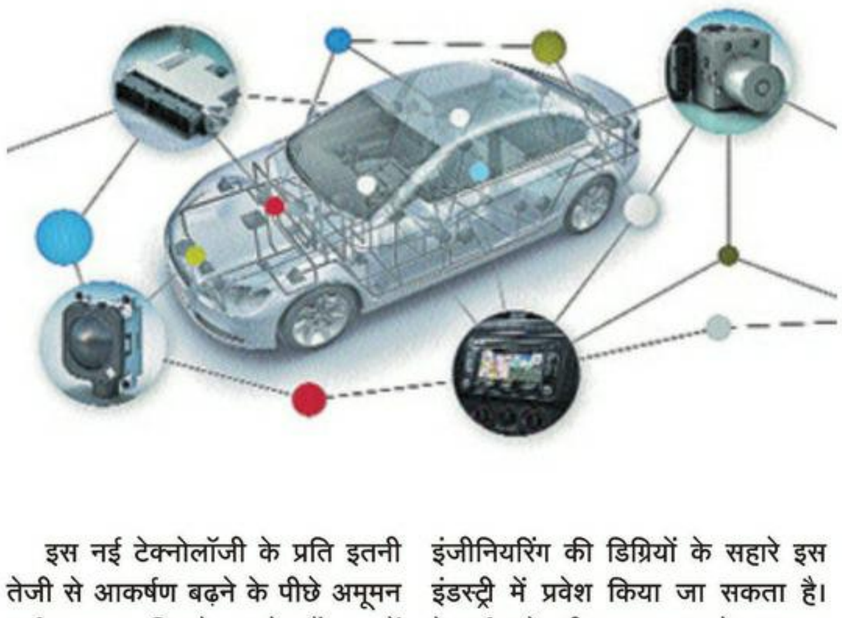

इस नई टेक्नोलॉजी के प्रति इतनी तेजी से आकर्षण बढ़ने के पीछे अमूमन कई कारण गिनाये जाते हैं। इनमें सटीकता(प्रीसिजन), समय की बचत, दक्षता(एफिशिएंसी), मानक(स्टैंडर्ड), सुरक्षा, आराम(कम्फर्ट) तथा कनेक्टिविटी का खास तौर पर जिक्र किया जा सकता है। इस टेक्नोलॉजी के बढ़ते महत्व का अंदाजा इस तथ्य से भी लगाया जा सकता है कि ऑटोमोबाइल के क्षेत्र में विकसित की जाने वाली नई खोजों में लगभग तीन चौथाई ऑटोमोटिव इलेक्ट्रॉनिक्स से सम्बंधित होती हैं।

भावी संभावनाएं

इन दिनों हाल तो यह है कि नामी ऑटोमोबाइल कम्पनियों द्वारा कार की बिक्री बढ़ाने और नए मॉडल्स को लाने के लिए टेक्निकल फीचर्स से ज्यादा ऑटोमोटिव इलेक्ट्रॉनिक्स का सहारा लिया जा रहा है। अगर यही ट्रेंड आने वाले समय में भी बना रहा तो इस तरह के ऑटोमोटिव इलेक्ट्रॉनिक एक्सपर्ट्स की मांग में और तेजी आनी स्वाभाविक है।

एकेडमिक डिग्रियां

आई टी, सॉफ्टवेयर, इलेक्ट्रॉनिक, मेकेट्रोनिक, ऑटोमेशन, ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग की डिग्रियों के सहारे इस इंडस्ट्री में प्रवेश किया जा सकता है। फ्रेशर्स को भी इस तरह के अवसर ऑटोमोबाइल कंपनियों के मैन्युफेक्चरिंग प्लांट्स के अलावा ऑटोमोबाइल एक्सेसरीज से संबधित मैन्युफेक्चरिंग कंपनियों में मिल रहे हैं।

ट्रेनिंग

आमतौर पर इंजीनियरिंग की बेसिक डिग्री के अतिरिक्त इन युवाओं से यह अपेक्षा की जाती है कि इन्हें कम्युनिकेशन स्किल्स, सी अथवा सी++, माइक्रोप्रोसेसर, एम ई एम आधारित सेंसर टेक्नोलॉजी आदि के बारे में समुचित जानकारी होगी। इसके अतिरिक्त ऑटोमोबाइल से सम्बंधित अन्य विधाओं से भी ये परिचित होंगे, जैसे ऑटोमोबाइल इंजीनियर को कार के इलेक्ट्रॉनिक फ्यूल सिस्टम का ज्ञान होना चाहिए। इसी तरह गाड़ी की एग्जॉस्ट मैनेजमेंट का सॉफ्टवेयर डेवलप करने की जॉब्स से संबंधित इंजीनियर के लिए केमिकल प्रोसेस, फ्लूड डायनामिक्स, थर्मल इंजीनियरिंग इत्यादि की भी जानकारी होनी जरूरी है। कमोबेश यही स्थिति अन्य सम्बंधित विधाओं में भी है। दूसरे शब्दों में कहा जाए तो इस क्षेत्र में मल्टी स्किल्ड इंजीनियर्स की खासतौर पर अधिक जरूरत है। इस तरह के कई कौशल में माहिर लोगों के लिए बड़ी और नामी कंपनियों में भी जॉब्स की संभावनाएं कहीं अधिक होंगी।

स्वयं को अपडेट रखना

इसमें चूंकि आपको अपने टेक्निकल एकेडमिक बैकग्राउंड को आधार बनाते हुए इलेक्ट्रॉनिक्स के नए उपयोगों का समन्वयन करना होगा, इसलिए लगातार स्वयं को अपडेट रखने की जरूरत पड़ेगी। नया सीखने और उसके सही इस्तेमाल की समझ काम के अनुभव और सीनियर्स की सलाह से ही विकसित होती है, इसलिए स्वयं को परम ज्ञानी समझने की प्रवृत्ति वाले लोगों के लिए इस फील्ड में मुश्किल हो सकती है। जरूरी नहीं कि आपके हर प्रयास सही और सफल ही होंगे, इसलिए असफलताओं से निराश न होना और इनसे सबक लेकर आगे बढ़ने की लालसा को सबसे जरूरी गुण कहा जा सकता है।

जॉब्स

अधिकांश फ्रेशर्स को शुरुआत में जूनियर डेवलपमेंट इंजीनियर के तौर पर नियुक्त किया जाता है और पहले साल इन्हें जॉब ऑन ट्रेनिंग पॉलिसी के अंतर्गत लगभग सभी मेन्युफेक्चरिंग यूनिट्स में रोटेशन से भेजा जाता है।

सफलता: सूचना और ज्ञान का संग्रह

देश के पूर्व राष्ट्रपति ए.पी. जे. अब्दुल कलाम ने अपनी पुस्तक विंग्स ऑफ फायर' में लिखा है कि प्रत्येक व्यक्ति चाहे वह जीवन में सफल हो अथवा असफल, सबको पूरे दिन में सिर्फ चौबीस घंटे ही मिलते हैं। समय के मामले में भगवान और व्यवस्था किसी के साथ भेदभाव नहीं करते। यह व्यक्ति की प्रतिभा और सोच पर निर्भर करता है कि वह समय का समुचित उपयोग करके उसका फायदा कैसे उठाए और अपने आपको सफल बनाए। यदि हम समय का सदुपयोग कर उसे अपने लक्ष्य को पाने में करते हैं तो ऐसा कोई कारण नहीं बनता, जिससे आपको जीवन में सफलता न मिले।

बड़े कामों की सूची बनाएं

प्राय: देखा जाता है कि समय का उन लोगों के लिए कोई महत्व नहीं होता, जिनके जीवन का कोई पूर्व निर्धारित लक्ष्य नहीं है। इसीलिए वे जो जैसा मिलता है, करते चले जाते हैं और इस तरह से उनका मूल्यवान समय व्यर्थ में व्यतीत होता चला जाता है। इसीलिए कहा जाता है कि यदि आप अपने प्रमुख कामों की सूची बना कर काम करते हैं तो आपको व्यर्थ में गंवाने का कोई समय ही नहीं मिलेगा।

समय का निर्धारण करें और उसकी समीक्षा करें

समय निर्धारित करने से काम के प्रति एक प्रतिबद्धता और जिम्मेदारी आती है। ऐश्वर्या राय जब विश्व सुंदरी बनी थीं, तब निर्णायक मंडल के सदस्यों ने उनसे पूछा था-आप अपने सपने को समय के अनुकूल कैसे बनाएंगी। ऐश्वर्या ने अंग्रेजी कवि डब्लू. बी. यीट्स के शब्दों का उल्लेख करते हुए कहा था, सपनों से उत्तरदायित्व आते हैं और उत्तरदायित्व से समय के मूल्य का पता चलता है।

अनावश्यक कार्यों में अपना समय बर्बाद न करें

कहते हैं खाली दिमाग शैतान का घर होता है। जब आपके पास कोई बड़ी जिम्मेदारी नहीं होती तो आप समय के महत्व को पहचान नहीं पाते। इसलिए आप अपने बहुमूल्य समय को उल्टे-सीधे कामों में लगाते रहते हैं। ऐसे में आप कभी भी किसी को न नहीं कह पाते। जो भी आपको कोई काम करने के लिए बोलता है, आप तुरंत राजी हो जाते हैं, जबकि एक सफल व्यक्ति के पास हमेशा समय की कमी होती है।

अपनी कार्यों को आदत में तब्दील करें

छात्रों के सन्दर्भ में अक्सर देखा जाता है कि साल भर वे गंभीर नहीं होते और जैसे ही परीक्षा नजदीक आने लगती है, वे गंभीर होते चले जाते हैं। कारण कि सालभर तो वे कुछ पढ़ते नहीं और सब काम अंत में पूरा करना चाहते हैं, जो कभी हो नहीं पाता। इससे एक तो उनके दिमाग में अनावश्यक जोर पड़ता है और दूसरा वे तनाव का शिकार हो जाते हैं इसी काम को यदि वे अपनी आदत बना कर रोज दो-तीन घंटे में बांट दें तो एक तो न उन्हें अनावश्यक तनाव का सामना करना पड़ेगा और दूसरा, उन्हें अपने काम में असफलता भी नहीं मिलेगी।

डिजिटल मीडिया का उपयोग सकारात्मक कार्यों के लिए करें

हाल ही में आई एक रिसर्च के अनुसार एक औसत युवा आज की तारीख में दो से तीन घंटे इंटरनेट, मोबाइल और सोशल मीडिया में गुजारता है। इससे एक तो उसका बहुत समय बर्बाद होता है, दूसरा उसे कई प्रकार की शारीरिक और मानसिक बीमारियों का शिकार होना पड़ता है।

ऐसे में यदि वह इन सब का उपयोग सूचना और ज्ञान प्राप्त करने में करे तो एक साथ दो काम हो सकते हैं। और उसे किसी प्रकार की समस्या का सामना भी नहीं करना पड़ेगा।

छोटी-छोटी सफलताओं को सेलिब्रेट करें और उनका आनंद उठाएं

आजकल देखा यह जा रहा है कि हम अपनी खुशियों का इजहार भी सबके सामने नहीं करते और अंदर ही अंदर संकुचित होते चले जा रहे हैं। इससे आपका वही हाल होता चला जाता है कि जंगल में मोर नाचा किसने देखा। ऐसी स्थिति में यदि आप अपनी सफलताओं को सबके साथ साझा करेंगे तो इससे आपको दो फायदे होंगे। पहला तो आपके काम को प्रोत्साहन मिलेगा और लोग आपसे जुड़ते चले जायेंगे। दूसरा आपके भीतर ही भीतर एक ऐसे आत्मविश्वास का संचार होता चला जायेगा कि आप बड़े से बड़ा काम करने में भी नहीं हिचकिचाएंगे।

महत्वपूर्ण काम पहले करें

केंट यूनिवर्सिटी के एक अध्ययन से यह बात सामने आई कि बहुत परिश्रम से किया गया कार्य जरूरी नहीं कि प्रभावी भी हो। प्रभावी वही कार्य होता है, जिसे पूरी तन्मयता और सबसे महत्वपूर्ण कार्य के रूप में किया जाता है। यदि कोई व्यक्ति अपने कामों की सूची बनाता है तो उसे यह पता होता है कि क्या महत्वपूर्ण है।

लिंक पर क्लिक कर सकते हैं। इसमें जहां कुल ५० प्रश्न आपके सामने आएंगे, वहीं सामने घड़ी भी आपको समय-सीमा बताती रहेगी। ४५ मिनट के इस टैस्ट में नेगेटिव मार्किंग भी है और इस मॉक टैस्ट में उत्तीर्ण होने के लिए न्यूनतम ४० प्रतिशत अंक लाने जरूरी होंगे। इससे न सिर्फ आपको समय में प्रश्नों के उत्तर देने का अभ्यास होगा, वहीं प्रश्नों का उत्तर देख अपनी तैयारियों का भी पता चलेगा।

आप पड रहे हैं राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
नंदिग्राम टाइम्स
नांदेड । रविवार । १ मई २०१६

वड़ापाव और जूस बेचता है ये क्रिकेटर, अब गिनीज बुक में दर्ज हुआ नाम

पुणे।लगातार ५० घंटे ४ मिनट और ५१ सेकंड तक बैटिंग(नेट) प्रैक्टिस करने वाले पुणे के युवा क्रिकेटर विराग मरे का नाम आखिरकार गिनीज बुक ऑफ रिकॉर्ड में दर्ज हो गया। एक दिन पहले गिनीज बुक की ओर से विराग को सर्टिफिकेट भेजा गया है। इससे पहले यह रिकॉर्ड ब्रिटेन के २ क्रिकेटरों के नाम पर था। इसे अंजाम देने वाला यह क्रिकेटर पेट पालने के लिए पुणे में वड़ापाव और जूस का ठेला लगाता है। ऐसे बनाया रिकॉर्ड...

शहर के महालक्ष्मी लॉन में २२ दिसंबर २०१५ को २६ वर्षीय क्रिकेटर विराग मरे ने बैटिंग की प्रैक्टिस शुरू की थी। इस प्रैक्टिस सेशन के दौरान विराग ने कई फास्ट और स्पिन बॉलर्स का सामना किया। यही नहीं निरंतरता बरकरार रखने के लिए बॉलिंग मशीन का भी सहारा लिया। लगातार गेंदों को अपने बैट पर रोकते हुए २४ दिसंबर सुबह १० बजे विराग ने एक जगह खड़े होकर बैटिंग की। गिनीज बुक के नियमों के मुताबिक विराग ने हर घंटे सिर्फ ५ मिनट का ब्रेक लिया था।

४८ घंटे तक प्रैक्टिस कर विराग ने २ ब्रिटिश क्रिकेटर रिचर्ड वेल्स और डेव न्यूमैन का रिकॉर्ड तोड़ा है। इन दोनों ने ओवल क्रिकेट मैदान में लगातार ४६ घंटे २ सेकंड तक बैटिंग कर यह रिकॉर्ड बनाया था। इनसे पहले २६ घंटे का रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया के एक खिलाड़ी के नाम पर था।कोच आचरेकर से सीखी बारीकियां विश्व कीर्तिमान बनाने वाले विराग महाराष्ट्र के लातूर

जिले के एक साधारण परिवार से आते हैं। क्रिकेट का जुनून उनके अंदर बचपन से ही था। यही जुनून उन्हें क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर के कोच रमाकांत आचरेकर के पास ले गया।

मुंबई में कोच आचरेकर के मार्गदर्शन में विराग ने कुछ महीने क्रिकेट की बारीकियां सीखी। लेकिन वह ज्यादा समय तक मुंबई में नहीं रह सके और आर्थिक तंगी के चलते उन्हें पुणे आना पड़ा। पुणे आकर विराग ने कॉलेज में दाखिला लिया और पैसों के जुगाड़ के लिए वड़ापाव और जूस का ठेला भी लगाया।

इससे होने वाली आमदनी से विराग ने अपनी क्रिकेट किट और किताबें खरीदी। पुणे में ही उन्हें क्रिकेट के इस अनोखे कीर्तिमान का पता चला और उन्होंने इसे तोड़ने का मन बनाते हुए प्रैक्टिस शुरू की। अपने स्टेमिना की बदौलत विराग ने लगातार ४० घंटे तक क्रिकेट खेलने का कारनामा कुछ ही दिनों में कर दिखाया। लेकिन अभी भी रिकॉर्ड के करीब पहुंचने के लिए ८ घंटे और खेलना था। अपने स्टेमिना को बढ़ाने के लिए विराग ने योगाभ्यास शुरू किया और कुछ ही दिनों में ४६ घंटे लगातार क्रिकेट खेल कर रिकॉर्ड के करीब पहुंच गए।

४८ घंटे तक चले इस प्रैक्टिस सेशन के दौरान गिनीज बुक का कोई भी अधिकारी पुणे में मौजूद नहीं था। विराग का कहना है कि गिनीज बुक के अधिकारियों को यहां बुलाने के लिए उन्हें ५०० डॉलर की फीस भरनी थी, लेकिन पैसों की कमी के चलते वह संभव नहीं हो सका। जिसके बाद एक अन्य नियम के मुताबिक लगातार ४८ घंटे की वीडियो रिकॉर्डिंग को वहां भेजकर अपना नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज करवाया।

विराग का कहना है कि ब्रिटेन के खिलाड़ियों ने जब यह रिकॉर्ड बनाया था, तब ब्रिटिश प्रधानमंत्री डेविड कैमरन उनका हौसला बढ़ाने के लिए वहां मौजूद थे। इस कारनामे के बाद विराग को उम्मीद है कि उन्हें भी क्रिकेट ट्रेनिंग के लिए अच्छे कोच और सुविधाएं मिलेंगी। - विराग के स्टेमिना और पिच पर कई घंटे तक टिके रहने की तारीफ कोच रमाकांत आचरेकर भी कर चुके हैं।

४ साल पहले डॉक्युमेंट देने मांगी थी रिश्वत
सब-इंस्पेक्टर को कोर्ट ने सुनाई सजा

नागपुर. पुलिस अधिकारी को दो वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई गई है। विशेष अदालत ने शुक्रवार को दिए अपने फैसले में उसे भ्रष्टाचार का दोषी पाया है। किसी सब-इंस्पेक्टर स्तर के अधिकारी को सजा होना शहर के इतिहास में संभवत यह पहला मामला है।

चार वर्ष चली सुनवाई

करीब एक वर्ष तक प्रकरण की जांच चली। इस बीच विभाग के विशेष न्यायाधीश के. जी. राठी की अदालत में दोषारोपण पत्र पेश किया गया। चार वर्ष तक मामले की सुनवाई चली। शुक्रवार को हुए फैसले के दौरान भ्रष्टाचार प्रतिबंधक कानून की धारा ७ व १३ (२) के तहत उन्हें दोषी पाया गया है।

दोनों धाराओं के तहत उन्हें दो-दो वर्ष का सश्रम कारावास व तीन-तीन हजार रुपए के आर्थिक जुर्माने की सजा सुनाई गई है। जुर्माना नहीं भरने पर अतिरिक्त तीन-तीन महीने की सजा का प्रावधान है। सरकार की तरफ से वकील लांबट ने पैरवी की। रामजी ठाकुर और किशोर कैकाडे ने मदद की।

पांच हजार रुपए रिश्वत लेने का था आरोप

आरोपी सब-इंस्पेक्टर (पीएसआई) अजगर अली वल्द अब्बास अली है। जो वर्ष २०११ में सक्करदरा थाने में कार्यरत था। उसके पास सड़क हादसे में मृत हुए युवक की जांच की जिम्मेदारी थी। युवक के परिजनों ने किसी काम के चलते अली से केस से संबंधित दस्तावेजों की मांग की थी।

कानूनी तौर पर यह उनका अधिकार था। बावजूद अली ने पद का दुरुपयोग करते हुए युवक के परिजनों से पांच हजार रुपए की रिश्वत मांगी थी। युवक की मृत्यु से परिजन पहले ही दुखी थे, ऊपर से अली उन्हें रिश्वत की रकम के लिए बार-बार फोन कर परेशान कर रहा था। उन्हें धमकाया भी जा रहा था। इससे त्रस्त होकर उन्होंने अली की भ्रष्टाचार प्रतिबंधक विभाग (एसीबी) से शिकायत की।

एसीबी ने अली को पकड़ने की योजना बनाई। २९ अप्रैल २०११ को उसे रिश्वत के पांच हजार रुपए की रकम स्वीकार करते हुए रंगेहाथ दबोच लिया गया था। तत्कालीन पुलिस उप अधीक्षक एच. आर. रेड्डीवार ने प्रकरण दर्ज कर अली को गिरफ्तार किया।

१७५ शक्कर कारखानों में पेराई बंद, पिछले साल से २० फीसदी कम हुआ प्रोडक्शन

नागपुर/पुणे.राज्य के १७७ शक्कर कारखानों में से १७५ कारखानों का पेराई मौसम खत्म हुआ है। पुणे के विघ्नहर सहकारी तथा सातारा के अजिंक्यतारा सहकारी कारखानों में ही पेराई मौसम शुरू हैं। यह जानकारी शक्कर सह निदेशक (विकास) पांडुरंग शेलके ने दी।

शेलके ने बताया कि पिछले साल ९३० लाख टन गन्ने की पेराई की गई थी। इसकी तुलना में इस साल

१९ से २० फीसदी कटौती आई हुई है। अब तक १७५ कारखानों ने ७४३ लाख ३० हजार टन गन्ने की पेराई की हुई है। इस से ८३ लाख ७३ हजार टन शक्कर का उत्पादन हुआ है।

फिलहाल विघ्नहर सहकारी तथा अजिंक्यतारा सहकारी कारखानों में पेराई का मौसम चल रहा है। अगले हफ्ते दोनों कारखानों का पेराई का मौसम खत्म होने की आशंका है। इस साल पेराई का मौसम कम होने का अंदाजा शुरू में ही शक्कर आयुक्तालय द्वारा जताया गया था जो सच साबित हुआ है।

महाराष्ट्र दिवस प्रतिभाओं का होगा सम्मान

औरंगाबाद (प्रतिनिधी) - महाराष्ट्र राज्य गठन के स्थापन दिवस के अवसर पर १ मई को पुलिस आयुक्तालय के देवगिरी मैदान पर मुख्य सरकारी ध्वजारोहण का कार्यक्रम होगा. पालकमंत्री और राज्य के पर्यावरण मंत्री रामदास कदम सुबह आठ बजे ध्वजारोहण करेंगे.

इस अवसर पर संभागीय आयुक्त डॉ. उमाकांत दांगट, जिलाधिकारी निधि पांडेय, पुलिस आयुत अमितेश कुमार ही उपस्थिती रहेगी. कार्यक्रम में राष्ट्रीय परिधान में

उपस्थित रहने का आहवान किया गया है। कार्यक्रम में पुलिस महासंचालक कार्यालय की और से उत्कृष्ठ व उल्लेखनिय कार्य करने करने वाले १३ पुलिस अधिकारी व कर्मचारियों का सम्मान किया जाएगा, साथ ही पुलिस उपायुक्त परिमंडल१, पुलिस उपायुक्त परिमंडल २ व विशेष शाखा विभाग को आईएसओ-९००१:२००८ प्रदान किया जाएगा. पुलिस आयुक्तालय में पुलि थाने के अनुसार पुलिसमित्र की नियुक्ती की गाई है. इसमें पुलिस को मदद और सहयोग करने वाले और उत्कृष्ट कार्य करने वाले ४ पुलिसमित्रों का भी सम्मान होगा.

शादी से पहले दूल्हे ने की आत्महत्या

परतूर (प्रतिनिधी) - शादी के दो दिन पहले २७ अप्रैल को मंठा तहसील के हातवरण में एक दूल्हे ने कुएं में कूद कर आत्महत्या कर ली. इससे गांव हें हड. कंप मच गया.

जानकारी के अनुसार मंठा तहसील के ज्ञानेश्वर विष्णुपंत गिराम (२४ हातवण) का विवाह जिंतूर तहसील के जांब निवासी एक लड की से होने वाला था. विवाह की तारीख ३० अप्रैल थी, बारातयों को ले जाने के एि वाहनों की बुकिंग की गई. पत्रिका भी सभी रिश्तेदारों में बांटी गई, लकिन ज्ञानेश्वर ने दो दिन पहले ही अपनी जीवलीला समाप्त कर ली. स्थानीय शासकीय अस्पताल में शुक्रवार को शव पोस्टमार्टम किया गया. देवीदास गिराम की शिकायत पर परतुर पुलिस थाने में आकस्मिक मौत का मामला दर्ज किया गया. मामले की जांच पुलिस उपनिरीक्षक विजय जाधव व पुलिस कांस्टेबल श्याम गायके कर रहे है

विदेशी फोटोग्राफर की नज़र से देखिए इंडियन लेडीज की ब्यूटी

मुंबई/पुणे: रोमानियाई महिला फोटोग्राफर माएला नोरोस अपने प्रोजेक्ट 'एटलस ऑफ ब्यूटी' के लिए इंडिया में थीं। इस दौरान उन्होंने पूरा देश घूमकर महिलाओं की खूबसूरत तस्वीरों को अपने कैमरे में कैद किया। पुणे से पुष्कर तक और मुंबई से दिल्ली तक की महिलाओं की लाइफ पर उन्होंने फोटो खींचे। उनकेइस फोटो प्रोजेक्ट में शामिल हैं स्लम से लेकर बॉलीवुड तक की महिलायें..

इस फोटो सीरीज में माएला नोरोस ने महिलाओं की रियल इमेज को दिखाने का प्रयास किया है। इसमें स्लम एरिया में रहने वाली महिलाओं से लेकर बॉलीवुड की फीमेल स्टार्स को पेश किया गया है। नोरोस ने ये फोटोग्राफ मुंबई, पुणे, नासिक, दिल्ली, पुष्कर, अमृतसर और वाराणसी में खींची है। इस प्रोजेक्ट के लिए माएला तकरीबन ६ महीने तक इंडिया में रहीं और उन्होंने अलग-अलग फील्ड की २०० से ज्यादा महिलाओं की फोटो खींची। इसके बारे में नोरोस ने बताया कि, इंडिया में अभी भी बहुत सी ऐसी महिलाएं हैं जिन्हें चुनौतियों और भेदभाव का सामना करना पड़ता है। इसी के साथ वे शक्ति और सौंदर्य का एक असाधारण उदाहरण हैं।

ये अपने ड्रीम को पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत करती हैं, लेकिन दुनिया इन्हें जान नहीं पाती। इसके माध्यम से मैं दुनिया की ऐसी ही महिलाओं को सामने लेकर आई हूं, जिन्हें अपने सपने से सबसे ज्यादा प्यार है। इन तस्वीरों में भारतीय महिलाओं की इनर और आउटर ब्यूटी को दर्शाने का प्रयास किया गया है। माएला का यह प्रयास सोशल और इंटरनेट मीडिया में खूब सराहा जा रहा है।

रोमानिया के बुखारेस्ट की रहने वाली ३० साल की माएला नोरोस एक टूरिज्म फोटोग्राफर हैं। वे पिछले ३ साल से दुनिया के अलग-अलग देशों में टूर कर रही हैं। वे १७ साल की उम्र से फोटोग्राफी कर रही हैं। माएला के पिता एक पेंटर थे। अपने शौक को आगे बढ़ाने और अपना खर्च निकालने के लिए माएला ने अलग-अलग फील्ड में काम किया है। एक ट्रैवलर के रूप में दुनिया घूमते हुए माएला को इसकी विविधता के बारे में पता चला। २७ साल की उम्र में माएला को लगा की उन्हें अपनी आर्डिनरी लाइफ छोड़ कर ट्रेवलिंग और फोटोग्राफी को आगे बढ़ाना चाहिए।

पुणे के जल की एक भी बूंद बाहर जाने नहीं देंगे : बंडू केमसे

पुणे: शहर को जलापूर्ति करनेवाले बांधों से दौंड तहसील को जलापूर्ति करने के निर्णय से अब राजनीति गरमा रही है। गुरूवार को पुणे महानगरपालिका के सभागृह नेता बंडू केमसे ने चेतावनी दी है कि चाहे सेना भी दाखिल हुई तो भी हम जल की एक बूंद बाहर जाने नहीं देंगे।

जिले के अभिभावक मंत्री गिरीष बापट ने बुधवार को कहा था कि दौंड के लिए आधा टीएमसी जल आरक्षित रखा गया है इसलिए जलापूर्ति करनी ही पड़ेगी। दौंड को जलापूर्ति करने के निर्णय को लेकर अब राजनीति गरमा रही है। गुरूवार को पुणे मनपा के सभागृह नेता केमसे ने इस संदर्भ में कहा कि पुणे शहर को जलापूर्ति करनेवाले बांधों में महज जुलाई तक पर्याप्त ही जलभंडारण है। उसमें से अब दौंड को आधा टीएमसी जल दिया जानेवाला है।

आधा टीएमसी जल देने को हम विरोध नहीं कर रहे लेकिन उससे अधिक जल दिया गया तो उसका उपयोग वहां की इंडस्ट्री तथा खेती के लिए किया जाएगा।

फुटपाथ बनाने में हो रही थी देरी, विरोध के लिए किया नागिन डांस

अफसरों के सामने 'नागिन डांस'

पुणे : फुटपाथ बनाने की मांग को लेकर महाराष्ट्र के बुलढाणा में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी)के कार्यकर्ताओं ने पीडब्लूडी ऑफिस में नागिन डांस करते हुए अनोखा प्रदर्शन किया। क्या है पूरा मामला...

शहर के शेवगांव इलाके के शिवाजी चौक पर सड़क के किनारे दो साल से फुटपाथ के निर्माण का काम एक प्राइवेट कंपनी कर रही थी। निर्माणकार्य के चलते सड़क पर चलने वालों को लगातार दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। स्थानीय लोगों ने नगरनिगम से लेकर पीडब्लूडी डिपार्टमेंट तक इसकी कंप्लेंट किया। लेकिन अधिकारियों ने उनकी डिमांड पर कोई एक्शन नहीं लिया। जिसके बाद गुरुवार शाम राष्ट्रवादी कांग्रेस जिला सचिव अमित जाधव एक दर्जन एनसीपी कार्यकर्ता पीडब्लूडी ऑफिस पहुंचे और अधिकारियों के सामने नागिन डांस करने लगे। जाधव का आरोप है कि, कंपनी जानबूझकर डिपार्टमेंट के अधिकारियों की सहायता से इस काम को लटका रही है।

गुजरात की सीएम आनंदीबेन जाएंगी जेल? आरक्षण को लेकर दिए थे ये बयान

अहमदाबाद। पिछले ९ महिनों से पाटीदार समाज आरक्षण पाने के लिए सरकार से जद्दोजहद कर रहे हैं। इसके चलते राज्य सरकार ने शुक्रवार को सवर्णोंको १० प्रतिशत आरक्षण देने की घोषणा कर दी। इस आंदोलन के दौरान न सिर्फ गुजरात में जमकर हिंसा हुई थी, बल्कि सरकार और पाटीदारों की तरफ से एक-दूसरे के खिलाफ खूब बयानबाजियां भी हुई थीं। आंनदीबेन ने कहा था, आरक्षण दे दूं तो मेरी भी जेल जाने की बारी आ जाएगी...

पिछले साल नवंबर में राधनपुर में एक सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री आनंदीबेन पटेल ने कहा था..अगर मैं आरक्षण दे दूंतो मेरी भी जेल जाने की बारी आ सकती है। संविधान के मुताबिक जिन वगरें को आरक्षण मिल रहा है, उसे घटाया या बढ़ाया नही जा सकता। अगर इसमें कुछ बदलाव होते भी हैं तो इसका हक केवल न्यायपालिका को हैं।' इसलिए अब सवाल यह खड़ा होता है कि क्या आनंदीबेन अब जेल जाएंगी?

पाटीदार आंदोलन की शुरूआत से ही कड़ा रुख अपनाने वाली आनंदीबेन ने अमरेली की एक सभा में दो टूक कह दिया था कि मेरी सरकार पाटीदारों को कभी आरक्षण नहीं देगी। कानून के मुताबिक, ५० प्रतिशत आरक्षण नहीं दिया जा सकता। पाटीदारों की यह मांग गलत है। बीते १७ अप्रैल को महेसाणा में पाटीदारों द्वारा जेलभरो आंदोलन किया गया था। इस दौरान भी शहर में जमकर हिंसा हुई थी। सरकारी संपत्तियों को भी नुकसान पहुंचाया गया था। इसके ठीक दूसरे दिन आनंदीबेन ने अपना रिएक्शन देते हुए वलसाड के धरमपुर की एक सभा में कहा था, ऐसे आंदोलन तो होते रहते हैं'।

हार की मार झेल रही पंजाब को एक और झटका, ये धुआंधार खिलाड़ी आयपीएल से बाहर

नई दिल्ली। बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज शॉन मार्श चोट के कारण इंडियन प्रीमियर लीग से बाहर होने वाले ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटरों की लंबी सूची में शामिल हो गए। यह ३२ साल के अनुभवी बल्लेबाज पीठ की चोट से जूझ रहे हैं और आईपीएल के आगे किंग्स इलेवन की ओर से नहीं खेल पाएंगे।

इससे पहले उनके छोटे भाई मिशेल मार्श के अलावा ऑस्ट्रेलिया के अन्य खिलाड़ियों में राष्ट्रीय कप्तान स्टीवन स्मिथ और तेज गेंदबाज जान हास्टिंग्स :टखने में चोट: भी चोट के कारण आईपीएल से बाहर हो चुके है। हार की मार झेल रही पंजाब को एक और झटका, ये धुआंधार खिलाड़ी खझङ से बाहर बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज शॉन मार्श चोट के कारण इंडियन प्रीमियर लीग से बाहर होने वाले ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटरों की लंबी सूची में शामिल हो गए। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार शॉन मार्श को १९ अप्रैल को केकेआर के खिलाफ मैच के दौरान हल्की परेशानी हुई थी।

आप पड रहे हैं राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
नंदिग्राम टाइम्स
नांदेड । रविवार । १ मई २०१६

पीएम के भाई सोम ने कहा- मोदी सूखाग्रस्त क्षेत्र में न आएं, सीएम संभाल लेंगे

नागपुर –महाराष्ट्र विशेषत: मराठवाड़ा भीषण सूखे का सामना कर रहा है। स्थानीय सूखाग्रस्तों के आंसू पोछने के लिए प्रधानमंत्री को महाराष्ट्र का दौरा करना चाहिए, यह मांग सूखाग्रस्त नागरिक कर रहे हैं।

इस सवाल पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाई और मोद मोदी तेली समाज के अध्यक्ष सोमभाई मोदी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का बचाव करते हुए कहा कि आग लगने के बाद अग्निशमन दल को बुलाया जाता है। स्थानीय मुख्यमंत्री होते हुए प्रधानमंत्री को आने की जरूरत नहीं है। मुख्यमंत्री परिस्थिति संभालने में सक्षम हैं।

गुजरात में फिर भाजपा सत्ता में आएगी

गुरुवार को एक कार्यक्रम के लिए नागपुर पहुंचे श्री मोदी रविभवन में पत्रकारों से बात कर रहे थे। सोमभाई मोदी ने कहा कि मराठवाड़ा में सूखा है। सूखा निवारण के लिए महाराष्ट्र की सरकार और मुख्यमंत्री हैं। प्रधानमंत्री अपने कार्यालय में बैठकर परिस्थिति संभाल सकते हैं। उन्हें मराठवाड़ा में आने की जरूरत नहीं है। अच्छे दिन के सवाल पर सोमभाई ने कहा कि सरकार अच्छी योजनाएं देश में क्रियान्वित कर रही है। उसका गरीबों को फायदा होगा।

गुजरात में पाटीदार समाज के आंदोलन बाबत बोलते हुए उन्होंने कहा कि गुजरात के लिए आंदोलन कोई नई बात नहीं है। नरेंद्र मोदी के मुख्यमंत्री रहते हुए भी गुजरात में पाटीदार समाज का आंदोलन हुआ था। वह आंदोलन अलग था। इस बार का आंदोलन अलग है। गुजरात सरकार पर इसका कोई परिणाम नहीं होगा।

आगामी चुनाव में फिर भाजपा की सत्ता आएगी। फिलहाल देश में आरक्षण की लहर है। सभी समाज को आरक्षण की जरूरत है। तेली समाज को भी शिक्षा में आरक्षण मिले, इसके लिए हम प्रयासरत हैं। प्रधानमंत्री मोदी के काम पर संतुष्ट होने के सवाल पर सोमभाई मोदी ने सरकार की योजनाओं की तारीफ की। कांग्रेस पर अपरोक्ष निशाना साधते हुए कहा कि कुछ लोग पार्लियामेंट चलने नहीं दे रहे हैं। फलत: अनेक महत्व के प्रश्न पीछे छूट रहे हैं।

संघ नहीं चलाती सरकार

नागपुर में पहली बार आए सोमभाई मोदी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के रेशमबाग स्थित स्मृति मंदिर को भेंट दी। डॉ. हेडगेवार व गोलवलकर गुरुजी की समाधि के दर्शन किए। संघ भूमि को भेंट देने की जानकारी देते हुए उन्होंने विरोधियों को जवाब दिया कि संघ सरकार नहीं चला रहा है। यह आरोप तथ्यहीन है। हालांकि उन्होंने अधिक बोलने से मना कर दिया।

पीएम के भाई कहने पर नाराज हुए सोमभाई

सोमभाई मोदी की प्रधानमंत्री के भाई के रूप में पहचान कराई गई। इस पर सोमभाई सख्त नाराज हुए। उन्होंने कहा कि मैं प्रधानमंत्री का नहीं, नरेंद्र मोदी का भाई हूं। नरेंद्र मोदी और प्रधानमंत्री दो अलग-अलग हैं।

पुर्तगाल में भारत को रीप्रेसेंट करेगी मैथिली, जम्परोप में मिल चुके हैं कई मैडल

नागपुर. खेलों में खिलाड़ियो द्वारा संतरानगरी का नाम रोशन किया जा चुका है। इसी कड़ी को आगे बढ़ाया शहर के माउंट फोर्ट स्कूल की ९वीं कक्षा की छात्रा मैथिली काकडे (१३) ने। वह अब तक जम्परोप में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ८ स्वर्ण, १२ रजत एवं ६ कांस्य पदक जीत चुकीं है।

इसके बाद वह १९ से २९ जुलाई तक पुर्तगाल में आयोजित वर्ल्ड जम्परोप इंटरनेशनल स्पर्धा में भारत का प्रतिनिधित्व करने

वाली है। मैथिली ने स्पर्धाओं की शुरुआत संतरानगरी से की थी और वर्ष २०१४ में नाशिक में पहली राज्यस्तरीय स्पर्धा में भाग लिया।

इसमें उसे स्वर्ण पदक से नवाजा गया। इसके बाद भूटान में आयोजित अंतरराष्ट्रीय स्पर्धा में २ स्वर्ण, २ रजत एवं २ कांस्य पदक हासिल किए। मैथिली ने अपनी खेल के लिए अपनी मां से प्रेरणा ली और आज यह मुकाम हासिल किया।

मैथिली के पिता प्रदीप काकडे एवं मां रेशमा काकडे ने महाराष्ट्र सरकार एवं लोगों से पुर्तगाल यात्रा के लिए आर्थिक मदद की अपील की है।

घरवालों की डांट से परेशान प्रेम जोड़े ने ट्रेन के आगे कूदकर दी जान

पुणे : शनिवार सुबह शहर के हड़पसर इलाके की शिंदे बस्ती के रहने वाले प्रेमी जोड़े ने ट्रेन के सामने कूद कर आत्महत्या कर ली। पुलिस के मुताबिक घटना सुबह ३ बजे के आसपास की है। क्या है पूरा मामला...

जानकारी के मुताबिक, शिंदे बस्ती के रहने वाले शुभम चौहाण (२१) और अश्वनी गावड़े(१८) के बीच कई महीनों से दोस्ती थी। उनकी यह दोस्ती उनके परिजनों को पसंद नहीं थी। दोनों के मिलने-जुलने पर घरवालों ने पाबंदी लगा दी थी। घरवालों की रोकटोक से परेशान दोनों प्रेमी जोड़े शुक्रवार रात १० बजे अचानक अपने घर से गायब हो गए।

रात दो बजे दोनों के परिजनों ने पुलिस को इसकी लिखित सूचना दी। दोनों की तलाश में निकली पुलिस को दोनों का शव सुबह ३.३० बजे रेलवे ट्रैक पर क्षत-विक्षत हालत में मिला। शुभम ने पिछले साल १२वीं की परीक्षा पास की थी और वेल्डिंग की एक दुकान में काम कर रहा था। पुलिस ने दोनों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। आत्महत्या की सूचना के बाद से ही दोनों के परिजन सदमे में हैं।

सूर्यमित्र कौशल्य विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम

उद्दिष्ट
सोलर उर्जा क्षेत्रातील भविष्यातील वाव लक्षात घेऊन कुशल मनुष्यबळ तयार करणे.

कालावधी
३ महिने निवासी

शैक्षणिक पात्रता
१०/१२वी पास, आय.टी.आय, डिप्लोमा फक्त. इलेक्ट्रिकल क्षेत्रातील कामाचा अनुभव असल्यास प्राधान्य

निवड प्रक्रिया
या प्रशिक्षणासाठी १८ ते ४० वयोगटातील फक्त ३० प्रशिक्षणार्थींची निवड लेखी परीक्षा व प्रत्यक्ष मुलाखतीद्वारे केली जाईल.

प्रवेश अर्जासोबत जोडावयाची आवश्यक कागदपत्रे
शाळा सोडल्याचा दाखला, १०/१२ वी प्रमाणपत्र, आय.टी.आय. प्रमाणपत्र असल्यास, आधारकार्ड, रहिवासी दाखला, २ पासपोर्ट साईज फोटो, मुलाखतीच्या वेळी मूळ कागदपत्रे दाखविणे अनिवार्य आहे.

तांत्रिक अभ्यासक्रम
सोलर वॉटर हिटर, सोलर कुकर, सोलर लॅम्प व सोलर शेगडी इ. दुरुस्ती व देखभाल, विविध भागांची ओळख व कार्य, सर्वसाधारण देखभाल, विविध दोष शोधणे व दुरुस्ती करणे, निगा राखणे इ.

उद्योजकीय अभ्यासक्रम
उद्योजकतेचा परिचय व प्रक्रिया, व्यवसाय संकल्पना, उद्योजकीय व्यक्तिमत्व विकास, संभाषण कौशल्य, ग्राहकासोबत चांगले संबंध प्रस्थापित करणे, विपणन व विक्री पश्चात सेवा, बाजारपेठ पाहणी, व्यवसायाचे व्यवस्थापन, विविध शासकीय नियमांची व योजनांची माहिती, यशस्वी मुलाखत तंत्र इ.

अधिक माहिती व प्रवेशासाठी संपर्क
मिटकॉन
राहुल शेळके
तळ मजला,उद्योग भवन बिल्डिंग,
इंडस्ट्रिअल इस्टेट, शिवाजीनगर, नांदेड - ४३१६०२
मोबाईल : ९७६४१७३८४८

Sponsored by
Ministry of New & Renewable Energy, Govt. of India, New Delhi
Under the aegis of National Institute of Solar Energy (NISE), Gurgaon,
& Under the Guidance of Maharashtra Energy Development Agency (MEDA)
Govt. of Maharashtra
NISE

We develop entrepreneure differently...

स्वचलित मौसम स्टेशन बनाने का प्रस्ताव विचाराधीन, मुख्यमंत्री ने दी जानकारी

मुंबई.कर्नाटक के तर्ज पर महाराष्ट्र में स्वचालित मौसम स्टेशन बनाने प्रस्ताव प्रदेश सरकार के पास विचाराधीन है। बुधवार को राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की बैठक में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि बेमौसम बारिश के कारण फसलों का बड़े पैमाने पर नुकसान होता है। इससे राज्य पर वित्तीय दबाव बढ़ जाता है। इसलिए किसानों को मौसम का सटीक पूर्वानुमान दिया गया तो फसलों को नुकसान रोका जा सकता है। इसलिए सरकार राज्य में स्वचालित मौसम स्टेशनों को स्थापित करने का विचार कर रही है।

वाहन चेकिंग के दौरान पुलिसवालों से भिड़े स्थानीय लोग

पुणे- शहर के जुना जकात नाके के पास चेकिंग के दौरान यातायात पुलिस और स्थानीय लोगों के बीच झड़प हो गई। लोगों का आरोप है कि पुलिसवाले जबरदस्ती चेकिंग के नाम पर पैसा वसूल कर रहे थे। मामला बढ़ता देख पुलिस को हल्का बलप्रयोग भी करना पड़ा भीड़ को हटाने के लिए। क्या था पूरा मामला...

शुक्रवार को रूटीन चेकिंग के दौरान येवला पुलिस गाड़ियों के कागजात चेक कर रही थी। इसी दौरान पुलिस ने एक दुपहिया वाहन चालाक से कागजात मांगे। उसके पास गाड़ी के सभी कागजात जिसमें आर.सी पेपर, हेल्मट और पाल्यूशन थे। इसके बावजूद पुलिस वाले ने उससे १०० रुपए मांगे। इस डिमांड से नाराज युवक ने हंगामा शुरू कर दिया।

युवक के साथ कुछ और लोग भी पुलिसकर्मियों के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। मामला बढ़ता देख पुलिस ने भीड़ को वहां से भगाने का प्रयास किया। जिसके बाद स्थानीय लोगों का गुस्सा और बढ़ गया। लोगों का आरोप है की पुलिस चेकिंग के नाम पर इसी तरह से पैसे वसूल करने का काम करती है।

दरगाह में नहीं घुस सकी तृप्ति देसाई, पुलिस ने हिरासत में लिया

मुंबई: हाजी अली दरगाह में जियारत करने पहुंची भूमाता ब्रिगेड की तृप्ति देसाई का मुस्लिम युवकों ने कड़ा विरोध किया। उन्हें कार से उतरने से रोकने का प्रयास किया और झंडों में लगे डंडों से गाड़ी पर हमला करने की कोशिश की। दरगाह बंद होने के बाद वह यह कहते हुए वहां से गईं कि अब वह मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस के आवास पर जा रही हैं। वह मिलें या नहीं, लेकिन हम वहीं बैठेंगे। लेकिन पुलिस ने उन्हें रास्ते में हिरासत में ले लिया। कुछ देर तक पुलिस स्टेशन में रखने के बाद तृप्ति को वापस पुणे भेज दिया गया। तृप्ति के खिलाफ हुई नारेबाजी...

'तृप्ति देसाई वापस जाओ' के नारे लगने की वजह से दरगाह परिसर के बाहर की स्थिति गुरुवार को तनावपूर्ण बनी रही। तृप्ति के साथ आई महिलाओं ने 'हाजी अली' सबके लिए तथा 'हम क्या चाहें आजादी, दादागीरी नहीं चलेगी' जैसे नारे लगाए। तृप्ति ने पत्रकारों से कहा कि वे दरगाह में जाकर दुआ करने की अपनी भूमिका पर कायम रहेंगी। बॉलीवुड के तीनों खान से की थी अपील... तृप्ति ने सलमान, शाहरुख और आमिर खान से अपील की है वो हाजी अली में महिलाओं की एंट्री पर अपना नजरिया साफ करें। तृप्ति की एंट्री को रोकने के

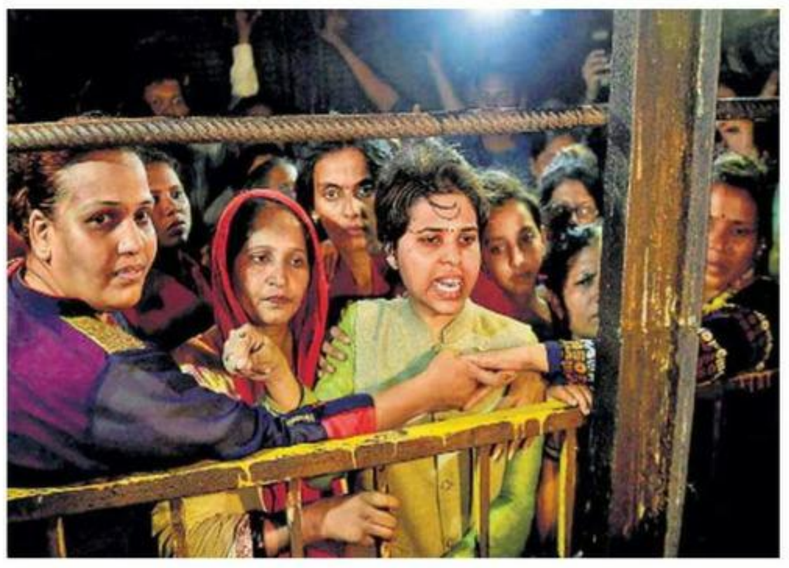

लिए शिवसेना नेता हाजी अराफात शेख समर्थकों संग हाजी अली दरगाह पहुंचे हैं।

तृप्ति के हाजी अली दरगाह में एंट्री करने को लेकर बढ़े तनाव को देखते हुए गुरुवार सुबह से ही पुलिस ने दरगाह जाने वाले रास्ते पर बैरिकेड्स लगा दिया था। बता दें कि दरगाह के अंदर वाले हिस्से में महिलाओं को जाने की इजाजत नहीं है। तृप्ति इस जगह महिलाओं की एंट्री की मांग कर रही हैं।

हाजी अली मामले पर तृप्ति देसाई ने बॉलीवुड के तीन खान स्टार्स से उनका नजरिया साफ करने की अपील की है। देसाई का कहना है कि हाजी अली में महिलाओं की एंट्री को लेकर सलमान, शाहरुख और आमिर खान की क्या राय है? इसके सामने आने से काफी असर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि इन तीनों खानों की फैन फॉलोइंग बहुत ज्यादा है। अगर वे नजरिया साफ करेंगे तो इसका मुस्लिम सोसायटी पर भी अच्छा असर होगा। तृप्ति ने कहा, मैं अपील करती हूं कि तीनों खान आगे आकर हाजी अली के बारें मे अपनी राय दें।

तृप्ति ने आरएसएस में बराबरी का हक मांगते हुए मोहन भागवत को लेटर लिखा है। उन्होंने आरएसएस चीफ से मुलाकात का वक्त भी मांगा है। भागवत को यह लेटर भूमाता ब्रिगेड के लेटरहैड पर मराठी में लिखा गया है। तृप्ति ने कहा है,भारतीय जनता पार्टी महिलाओं के वोटों की वजह से सत्ता में आई। देसाई ने लिखा है- ऐसे बड़े संगठन में जिस तरह पुरुषों की संख्या है उसी तरह अगर महिलाओं की संख्या भी हो तो देश को एक समानता का संदेश मिलेगा।

तृप्ति गुरुवार शाम ४ बजे मुंबई स्थित हाजी अली दरगाह में कुछ महिलाओं के साथ दरगाह में एंट्री की कोशिश करेंगी। तृप्ति की इस चेतावनी के बाद दरगाह ट्रस्ट ने हाजी अली दरगाह की सुरक्षा कड़ी कर दी गई थी। शिवसेना नेता हाजी अराफात दरगाह में घुसने पर पहले ही तृप्ति को धमकी दे चुके हैं। शिवसेना के बाद एमआईएम के नेता हाजी रफत हुसैन ने भी तृप्ति देसाई के दरगाह में घुसने पर चेहरे पर कालिख पोतने की पोतने की धमकी दी थी।

तृप्ति देसाई शनि शिंगणापुर मंदिर में महिलाओं के प्रवेश की मांग को लेकर चर्चा में आई थीं। भूमाता ब्रिगेड के लगातार आंदोलन और तृप्ति देसाई समेत अन्य के गिरफ्तारी देने के बाद मंदिर में महिलाओं के प्रवेश की अनुमति दे दी गई है। इसके बाद तृप्ति देसाई त्र्यंबकेश्वर मंदिर के गर्भगृह में भी प्रवेश करने में सफलता पाई। इस आंदोलन की सफलता के बाद तृप्ति देसाई ने देश के हर उस धार्मिक स्थल पर आंदोलन करने की बात कही थी, जहां महिलाओं को एंट्री नहीं है।

स्वत्वाधिकारी नंदीग्राम टाईम्स (नांदेड) के लिए मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक शेख जहूर शेख अहेमद द्वारा सहारा डिजाईनिंग अॅण्ड ऑफसेट प्रिंटींग प्रेस, वाजेगाव, ता.जि.नांदेड से मुद्रित तथा कार्यालय दैनिक नंदीग्राम टाईम्स, मुल्ला मार्केट खवी बिल्डींग नगरेश्वर मंदिर, नांदेड, ता.जि. नांदेड 431 604 (महाराष्ट्र) से प्रकाशित. मो.नं. 9921100075, E-Mail Id - nandigramtimes@gmail.com (वाद-विवाद नांदेड न्याय कक्षा में)